



Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ राम नवमी पूजा विधि ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ राम नवमी पूजा विधि ॥

राम नवमी के दिन भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीराम के साथ माता सीता, लक्ष्मण जी और हनुमान जी की पूजा करने की परंपरा है। भक्त व्रत रखते हैं, राम नाम का जाप करते हैं और दोपहर के समय श्रीराम जन्मोत्सव मनाते हैं।

राम नवमी पूजा सामग्री

भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण जी और हनुमान जी की प्रतिमा या चित्र

चौकी और स्वच्छ पीला या लाल वस्त्र

कलश, जल और आम के पत्ते

रोली, चंदन, अक्षत और कुमकुम

फूल एवं माला

धूप और दीपक

पंचामृत

फल एवं मिठाई

तुलसी दल

नैवेद्य

आरती की थाली

प्रसाद

राम नवमी पूजा की विधि

पूजा स्थान की सफाई करें

सुबह स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें। पूजा स्थान को साफ करके चौकी पर स्वच्छ वस्त्र बिछाएं और भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण जी एवं हनुमान जी की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें।

कलश स्थापना करें

कलश में स्वच्छ जल भरकर उसमें अक्षत, सुपारी और सिक्का डालें।
कलश के ऊपर आम के पत्ते और नारियल रखें। इसके बाद भगवान
गणेश और कलश का पूजन करें।

संकल्प लें

हाथ में जल, अक्षत और पुष्प लेकर भगवान श्रीराम का ध्यान करें और
अपनी श्रद्धा के अनुसार राम नवमी व्रत एवं पूजा का संकल्प लें।

भगवान श्रीराम का पूजन करें

भगवान श्रीराम को जल और पंचामृत से स्नान कराएं। इसके बाद स्वच्छ
वस्त्र या वस्त्र अर्पित करें। चंदन, रोली, अक्षत, फूल और तुलसी दल
अर्पित करें।

माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की पूजा करें

भगवान श्रीराम के साथ माता सीता, लक्ष्मण जी और हनुमान जी को भी
पुष्प, चंदन, अक्षत और नैवेद्य अर्पित करें।

श्रीराम मंत्र का जाप करें

पूजा के दौरान श्रद्धापूर्वक "ॐ श्री रामाय नमः" मंत्र का जाप करें। इसके
साथ रामचरितमानस, राम रक्षा स्तोत्र या श्रीराम स्तुति का पाठ भी किया
जा सकता है।

श्रीराम जन्मोत्सव मनाएं

राम नवमी की पूजा में मध्याह्न काल का विशेष महत्व माना जाता है। इस
समय भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में भजन-कीर्तन करें, शंख
बजाएं और भगवान को झूला झुलाने की परंपरा हो तो उसे श्रद्धापूर्वक
निभाएं।

भोग लगाएं

भगवान श्रीराम को फल, मिठाई, पंचामृत और अन्य सात्विक प्रसाद
अर्पित करें। प्रसाद में तुलसी दल रखना शुभ माना जाता है।

राम नवमी की आरती करें

अंत में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण जी और हनुमान जी की आरती करें। परिवार के सभी सदस्य आरती में शामिल होकर भगवान का आशीर्वाद लें।

प्रसाद वितरण और व्रत पारण

पूजा पूर्ण होने के बाद भगवान का प्रसाद सभी को वितरित करें। व्रत रखने वाले भक्त अपनी परंपरा और सामर्थ्य के अनुसार उचित समय पर व्रत का पारण करें।

